सीएसआईआर-सीरी में 73वाँ स्थापना दिवस समारोहपूर्वक आयोजित

वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25 एवं प्रौद्योगिकी संग्रह का विमोचन, सहकर्मियों को सेवा सम्मान पत्र भेंट किए गए

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन कार्यरत वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की राष्ट्रीय प्रयोगशाला सीएसआईआर–केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी ने अपने 73वें स्थापना दिवस का उत्सव उल्लासपूर्वक मनाया। इस अवसर पर डॉ. दिनेश कुमार असवाल, सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारत सरकार मुख्य अतिथि तथा प्रोफेसर संजीव शर्मा, कुलपति, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता डॉ. पी. सी. पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ औपचारिक अतिथि स्वागत एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर उद्योग जगत के प्रतिनिधि, संस्थान के वर्तमान एवं स्थानीय पूर्व सहकर्मियों के साथ सेवा सम्मान प्राप्त करने वाले सहकर्मियों के परिजन भी उपस्थित थे।

दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ करते हुए अतिथिगण

स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन देते हुए
डॉ पी सी पंचारिया निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

डॉ. पी.सी. पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, उद्योग एवं शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों सहित सभी उपस्थित अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान की नवीनतम उपलब्धियों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने बताया कि सीएसआईआर-सीरी ने हाल के वर्षों में औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक उपयोगिता पर आधारित परियोजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि संस्थान का प्रयास है कि उसकी सभी प्रौद्योगिकियाँ समाज और उद्योग को प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाएँ।

समारोह के दौरान सभागार में उपस्थित अतिथिगण एवं सहकर्मीवृंद

स्थापना दिवस संबोधन देते हुए मुख्य अतिथि डॉ दिनेश कुमार असवाल

मुख्य अतिथि **डॉ. दिनेश कुमार असवाल** ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अपने प्रयासों पर पुनर्विचार करते हुए उनका पुनर्मूल्यांकन करना है, और नई ऊर्जा से पुनर्संगठित होकर अपने अथक परिश्रम से भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य प्राप्त करना है। उन्होंने 'जेन-ज़ी' सहित सभी वैज्ञानिकों एवं अन्य सहकर्मियों से आग्रह किया कि वे अपने अनुसंधान कार्यों को समाज की आवश्यकता से जोड़ें और विज्ञान को राष्ट्र निर्माण का सशक्त साधन बनाएं। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर-सीरी देश की वैज्ञानिक प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और यहाँ के वैज्ञानिकों की नवाचार क्षमता 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने में निर्णायक सिद्ध होगी।

समारोह में संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर संजीव शर्मा

विशिष्ट अतिथि **प्रोफेसर संजीव शर्मा**, कुलपति, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर ने अपने संबोधन में सीएसआईआर-सीरी द्वारा विविध क्षेत्रों में किए जा रहे उत्कृष्ट शोध कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आधुनिक इलेक्ट्रॉनिकी अनुसंधान और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का संयोजन भारत को विश्व में एक अनूठा स्थान दिला सकता है। उन्होंने डॉ. पंचारिया एवं सीरी परिवार को उत्कृष्ट कार्यों हेतु बधाई देते हुए कहा कि वैज्ञानिक नवाचार और मानव कल्याण का संतुलन ही वास्तविक प्रगति का मापदंड है।

वार्षिक प्रतिवेदन एवं प्रौद्योगिकी संग्रह का विमोचन करते हुए
मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने संस्थान की 'वार्षिक रिपोर्ट 2024-25' एवं 'प्रौद्योगिकी संग्रह (Compendium of Technologies)' का विमोचन किया।

सेवा सम्मानपत्र भेंट

मुख्य अतिथि से स्थापना दिवस सेवा सम्मानपत्र प्राप्त करते हुए सहकर्मी

इस अवसर पर सीरी के 23 कर्मचारियों को संस्थान में 10, 20, 25, 30 तथा 35 वर्षों की सेवा के लिए 'सेवा सम्मान पत्र' भेंट किए गए।

एनडीए, एमओयू एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

स्थापना दिवस के अवसर पर उद्योगों एवं अन्य संगठनों के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा छह समझौता ज्ञापनों/अप्रकटीकरण समझौतों (MoUs/NDAs) का आदान-प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने एमओयू और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सराहना करते हुए इन्हें उद्योगों एवं संस्थान के परस्पर सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

एमओयू और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण दस्तावेजों का आदान-प्रदान करते हुए अधिकारीगण

मुख्य समारोह के उपरांत अतिथियों ने सीएसआईआर-सीरी की प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी में संस्थान वैज्ञानिकों द्वारा विकसित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने 'इलेक्ट्रॉनिकी विज्ञान दीर्घा', तथा विभिन्न शोध प्रयोगशालाओं का भी भ्रमण किया। उन्होंने संस्थान की शोध एवं अन्य गतिविधियों की सराहना की।

प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी एवं प्रयोगशाला भ्रमण के दौरान वैज्ञानिकों व शोधार्थियों से चर्चा करते हुए अतिथिगण

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक

कार्यक्रम के अंत में मुख्य वैज्ञानिक **डॉ. सुचंदन पाल** ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं सभी गणमान्य अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रेरक विचार संस्थान को नई दिशा देने में सहायक होंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ विषांत, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं डॉ. अदिति, प्रधान वैज्ञानिक ने किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

सांस्कृतिक संध्या में लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति देते हुए कलाकार

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान सभागार में उपस्थित अतिथि एवं दर्शक

मुख्य समारोह के उपरांत अतिथियों व संस्थान के कार्मिकों व उनके परिजनों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें जोधपुर के कलाकारों की टीम ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी को आनंदित किया। कार्यक्रम के उपरांत मुख्य अतिथि डॉ दिनेश कुमार असवाल ने कलाकारों को स्मृति चिह्न भेंट

कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री चाँदनी दीक्षित, वरिष्ठ आशुलिपिक ने किया।

कार्यक्रम के कुछ अन्य फोटोग्राफ